रजिस्ट्री सं. डी.एल.- 33004/99 REGD. No. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-27072020-220706
CG-DL-E-27072020-220706

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 284] नई दिल्ली, सोमवार, जुलाई 27, 2020/ श्रावण 5, 1942
No. 284] NEW DELHI, MONDAY, JULY 27, 2020/SRAVANA 5, 1942

भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् के अधिक्रमण में शासी बोर्ड

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 जुलाई, 2020

सं.भा.आ.प.-18(1)/2020-मेड./110890. भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 33 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए, भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् के अधिक्रमण में शासी बोर्ड, "स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा विनियमावली, 2000" में पुन: संशोधन करने के लिए केंद्र सरकार की पूर्व स्वीकृति से एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाती है, नामत:-

1. (i) ये विनियम, "स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा (संशोधन) विनियमावली, 2020" कहे जाएंगे।

   (ii) ये सरकारी राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. "स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा विनियमावली, 2000" में "विभागीय प्रशिक्षण सुविधाएं" शीर्षक के अंतर्गत खंड 11 में प्रथम पैराग्राफ के पश्चात् निम्नलिखित जोड़ा जाएगा :

   बशर्ते कि उस अति विशेषज्ञता पाठ्यक्रम के लिए स्टाफ, अवसंरचना और नैदानिक सामग्री की शर्तें पूरी कर लेने की शर्त के अधीन, स्वतंत्र मूल सामान्य विशेषज्ञता विभाग में अति विशेषज्ञता पाठ्यक्रम भी आरंभ किए जा सकते हैं। सामान्य विशेषज्ञता पाठ्यक्रम में स्नातकोत्तर सीटों के आबंटन के लिए अति विशेषज्ञता पाठ्यक्रम हेतु समर्पित संकाय सदस्य के नाम पर विचार नहीं किया जाएगा। पुनः बशर्ते कि यह परंतुक, हृदयरोग-विज्ञान, अंतःस्रावीरोग-विज्ञान, मेडिकल आमाशयरोग-विज्ञान, मेडिकल ऑनकोलोजी, नवप्रसव-विज्ञान, वृक्करोग-विज्ञान, तंत्रिका रोग-विज्ञान, हृदयीय वक्षीय एवं संवहनी शल्य चिकित्सा, तंत्रिका शल्य चिकित्सा, बालरोग शल्य चिकित्सा, प्लास्टिक एवं पुनर्निर्माण शल्यचिकित्सा, शल्य चिकित्सीय आमाशयरोग-विज्ञान,

शल्यचिकित्सीय ऑनकोलोजी और मूत्ररोग-विज्ञान/जननांग मूत्रमार्गीय शल्य चिकित्सा के सुस्थापित अति विशेषज्ञता पाठ्यक्रमों के लिए लागू नहीं होगा।

डॉ. आर.के. वत्स, महासचिव

[विज्ञापन-III/4/असा./149/2020-21]

पाद टिप्पणी: प्रधान विनियमावली नामत: "स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा विनियमावली, 2000" दिनांक 7 अक्तूबर, 2000 को भारत के राजपत्र के भाग III, खंड 4 में प्रकाशित की गई थी और इसे भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् की दिनांक 03/03/2001, 06/10/2001, 16/03/2005, 23/03/2006, 20/10/2008, 25/03/2009, 21/07/2009, 17/11/2009, 09/12/2009, 16/04/2010, 08/12/2010, 27/12/2010 09/02/2012, 27/02/2012, 28/03/2012, 17/04/2013, 01/02/2016, 17/06/2016, 08/08/2016, 31/01/2017, 11/03/2017, 06/05/2017, 27/06/2017 31/07/2017, 20/02/2018, 05/04/2018, 28/01/2019, 08/03/2019, 15/03/2019 ओर 05/04/2019 की अधिसूचनाओं के अंतर्गत संशोधित किया गया था।

BOARD OF GOVERNORS IN SUPER SESSION OF MEDICAL COUNCIL OF INDIA

NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd July, 2020

No. MCI-18(1)/2020-Med./110890.—In exercise of powers conferred by Section 33 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), the Medical Council of India with the previous sanction of the Central Government hereby makes the following regulations to further amend the "Postgraduate Medical Education Regulations, 2000" namely:-

1. (i) These Regulations may be called the "Postgraduate Medical Education Regulations, 2020."

   (ii) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Postgraduate Medical Education Regulations, 2000", In Clause 11, under the heading of "Departmental training Facilities", the following shall be added after first paragraph:

   Provided that Super speciality courses can also be started in the Independent parent broad speciality Department, subject to fulfilling the staff, infrastructure and clinical material requirement for that Super speciality course. The dedicated Faculty for the Super-Speciality course shall not be considered for allocation of postgraduate seats in the Broad specialty course. Further provided that not more than three Super-Speciality courses can be started in parent Broad Speciality Department. Provided further that this proviso shall not be applicable for well established Super Speciality courses of Cardiology, Endocrinology, Medical Gastroenterology, Medical Oncology, Neonatology, Nephrology, Neurology, Cardio Thoracic & Vascular Surgery, Neurosurgery, Paediatric Surgery, Plastic and Reconstructive Surgery, Surgical Gastroenterology, Surgical Oncology and Urology/Genitourinary surgery.

Dr. RAKESH KUMAR VATS, Secy. General

[ADVT.-III/4/Exty./149/2020-21]

Footnote: The Principal Regulations namely, "Postgraduate Medical Education Regulations, 2000" were published in Part III, Section 4 of the Gazette of India on 7th Oct., 2000 and amended vide Medical Council of India Notification dated 03/03/2001; 06/10/2001; 16/03/2005; 23/03/2006; 20/10/2008; 25/03/2009; 21/07/2009; 17/11/2009; 09/12/2009; 16/04/2010; 08/12/2010; 27/12/2010; 09/02/2012; 27/02/2012; 28/03/2012; 17/04/2013; 01/02/2016; 17/06/2016; 08/08/2016; 31/01/2017; 11/03/2017; 06/05/2017; 27/06/2017; 31/07/2017; 20/02/2018; 05/04/2018; 28/01/2019; 08/03/2019; 15/03/2019 & 05/04/2019.

Loaded by Dte. of Printing at Government of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.

SURENDER MAHADASAM Digitally signed by SURENDER MAHADASAM Date: 2020.07.27 21:22:09 +05'30'